राधा कमल मुकर्जी : चिन्तन परम्परा

वर्ष 1 अंक 1 प्रवेशांक जनवरी-जून 1999

1. **सम्पादकीय**
2. **समाजशास्त्रीय चिन्तन में प्रयुक्त ऐतिहासिक सामग्री** - डॉ. एस.डी. सिंह प्रोफेसर समाजशास्त्र, काशी विद्यापीठ, वाराणसी (उ.प्र.)
3. **पर्यावरण संरक्षण, विकास एवं संस्कृति** - डॉ. जे.पी. पचौरी, प्रोफेसर एवं अध्यक्ष समाजशास्त्र विभाग, हे.न.ब. गढ़वाल विश्वविद्यालय, श्रीनगर (उत्तराखण्ड)
4. **हिजला मेला और संगीत-प्रेमी संताली समाज** - डॉ. एच.एन. सिंह, प्राध्यापक जनजातीय एवं क्षेत्रीय भाषा विभाग, रांची विश्वविद्यालय, रांची (बिहार)
5. **विकास एवं निरन्तर विकास** - डॉ. वीरेन्द्र सिंह, रीडर एवं अध्यक्ष समाजशास्त्र विभाग, श्री.म.रा. दास पी.जी. कालेज, भुड़कुड़ा, गाजीपुर (उ.प्र.)
6. **जनजातियों में स्वास्थ्य एवं रोग के सामाजिक-सांस्कृतिक सहसम्बन्ध** - प्रोफेसर ए.एल. श्रीवास्तव, समाजशास्त्र विभाग, काशी हिन्दु विश्वविद्यालय, वाराणसी (उ.प्र.)
7. **प्रजातंत्र की एक बाधा-जाति** - डॉ. जमाल सिद्दीकी, प्रोफेसर समाजशास्त्र विभाग, अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय, अलीगढ़ (उ.प्र.)
8. **साहू जी महाराज का सामाजिक-राजनीतिक चिंतन** - डॉ. राम बहादुर वर्मा, अध्यक्ष राजनीतिशास्त्र विभाग, फिरोज गांधी पी.जी. कालेज, रायबरेली (उ.प्र.)
9. **चिपको आन्दोलन : पृष्ठभूमि, वैचारिकी में मोड़ तथा आज के संदर्भ में प्रासंगिकता** - डॉ. किरन डंगवाल, प्रवक्ता समाजशास्त्र विभाग, हे.न.ब. गढ़वाल विश्वविद्यालय, श्रीनगर (उत्तराखण्ड)
10. **वैदिक काल में गुप्तचरी** - डॉ.के.एल. खुराना, रीडर एवं अध्यक्ष इतिहास विभाग, एस.आर.के. पी.जी. कालेज, फिरोजाबाद (उ.प्र.)
11. **कृषि में महिला श्रमिक-योगदान और स्थिति** - डॉ. अंजू रानी, प्राध्यापिका समाजशास्त्र विभाग, फिरोज गांधी स्नातकोत्तर कालेज, रायबरेली (उ.प्र.)
12. **राष्ट्रीय अर्थशास्त्र और गांधीवादी दृष्टिकोण** - डॉ. यतीन्द्र नाथ शर्मा, अर्थशास्त्र विभाग, के.के. कालेज, इटावा (उ.प्र.)
13. **बाल श्रमिक-समाजार्थिक आयाम** - डॉ. महानन्द द्विवेदी, राजकीय टी.आर.एस. कालेज एवं जे.एन. सेन्टर, रीवा (म.प्र.) एवं कु. प्रतिभा त्रिपाठी रिसर्च स्कालर फॉर पॉलिसी रिसर्च, ए.पी.एस. कालेज, रीवा (म.प्र.)
14. **वृद्धों की पारिवारिक स्थिति** - कु. वन्दना रानी, शोध अध्येत्री, गुलाब सिंह हिन्दू स्नातकोत्तर महाविद्यालय, चान्दपुर स्याऊ, बिजनौर (उ.प्र.)
15. **अरूणाचल प्रदेश में ''आदि'' जनजाति की प्रजातांत्रिक प्रशासनिक व्यवस्था-''केबांग''** - श्रीमती रन्जू राठौर, शोध अध्येत्री, आर.बी.डी. गर्ल्स स्नातकोत्तर कालेज, बिजनौर (उ.प्र.)